2. वर्ण विचार

मानव मुख से उच्चरित ध्वनियों का लिखित रूप वर्ण कहलाता है। वर्ण विचार के अंतर्गत वर्णों के उच्चारण और लेखन के शुद्ध प्रयोग पर विचार किया जाता है। वर्ण भाषा की सबसे छोटी ध्वनि होती है जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से हिंदी वर्णमाला सुनें।
- ❖ समझाएँ, मुँह से उच्चरित ध्वनि संकेतों को लिपिबद्ध करना यानि लिखना ही वर्ण रूप होता है। वर्ण के भेदों से अवगत कराएँ।
- ❖ वर्णों को उनके उच्चारण स्थान के आधार पर उच्चरित करना सिखाएँ।
- ❖ स्वर-व्यंजनों का वर्गीकरण बताएँ।
- ❖ समझाएँ, श्वास के आधार पर व्यंजन अल्पप्राण और महाप्राण होते हैं तथा स्वरतंत्रियों के कंपन के आधार पर व्यंजन सघोष और अघोष होते हैं।
- ❖ समझाएँ, स्वर के भेदों में उच्चारण के आधार पर अंतर किया जाता है।
- ❖ व्यंजन के भेदों के बारे में बताएँ। स्पर्श, अंत:स्थ और ऊष्म व्यंजनों को समझाएँ तथा सभी वर्णों का उच्चारण स्थान के आधार पर उच्चारण करके दिखाएँ।
- ❖ अक्षर और बलाघात समझाएँ।
- ❖ ध्यान दें कि छात्र समझ पा रहे हैं।
- ❖ वर्ण-विच्छेद करना छात्र पिछली कक्षाओं में सीख चुके हैं। छात्रों से कुछ शब्दों का वर्ण-विच्छेद करवाएँ।
- ❖ शुद्ध-अशुद्ध शब्दों को पढ़वाते हुए शब्दों की शुद्ध वर्तनी से पहचान करवाएँ।
- ❖ मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों को बताने को कहें।